

एसजेएमसी में एड्स जागरूकता पर व्याख्यान का हुआ आयोजन, रील्स कंपटीशन के प्रतिभागियों के रील्स प्रदर्शित किए गए

पटना. शनिवार, 5 अक्टूबर, 2024

आर्यभट्ट ज्ञान विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ़ जर्नलिज्म एंड मास कम्युनिकेशन एवं बिहार राज्य एड्स नियंत्रण संस्था के संयुक्त तत्वावधान में आज एड्स से लड़ाई में युवाओं की भूमिका विषय पर व्याख्यान और एड्स जागरूकता में रील्स मेकिंग प्रतियोगिता के प्रतिभागियों के रील्स प्रदर्शित किए गए।

व्याख्यान में बिहार राज्य एड्स नियंत्रण संस्था के सहायक निदेशक (युवा शाखा) श्री आलोक कुमार सिंह अतिथि वक्ता के रूप में उपस्थित रहें। कार्यक्रम का शुभारंभ अकादमिक प्रभारी व स्कूल ऑफ़ जर्नलिज्म एंड मास कम्युनिकेशन की फैकल्टी इंचार्ज डॉ मनीषा प्रकाश द्वारा स्वागत भाषण से हुआ। डॉ० मनीषा प्रकाश ने कहा, "हम इस तरह के मुद्दों पर आंखें बंद नहीं कर सकते, गांधारी नहीं बन सकते इसलिए नई पीढ़ी को इस खतरे से बचाने के लिए इस विषय पर खुली चर्चा आवश्यक है।" उन्होंने बताया कि एड्स के प्रति समाज में व्याप्त कुरीतियों के खिलाफ जन जागरूकता बेहद जरूरी है। उन्होंने जन संचार में स्वास्थ्य संचार विषय के महत्व को भी बताया और कहा कि मीडिया के सहयोग से ही आम जनता तक यह बातें पहुंचाई जा सकती हैं। एड्स को लेकर आम भ्रांतियों को दूर करने की जिम्मेदारी भी मीडिया की होनी चाहिए। युवाओं की इसके प्रति जागरूकता को उन्होंने ऐसे कार्यक्रमों के माध्यम से दुरुस्त करने की पहल का बिहार राज्य एड्स नियंत्रण संस्था का स्वागत किया।

आगत मुख्य वक्ता श्री आलोक कुमार सिंह ने अपने संबोधन में एड्स के कारकों और उनसे बचाव के विषय में विस्तार से बताया। साथ ही उन्होंने ब्लड बैंक और ब्लड डोनेशन से जुड़ी सावधानियों पर भी विस्तार से चर्चा की। उन्होंने मीडिया के छात्र-छात्राओं से विशेष सहयोग की अपेक्षा रखते हुए कहा कि समाज को जागरूक करने में मीडिया की भूमिका हमेशा से महत्वपूर्ण रही है और ऐसे में आपको जन जागरूकता के लिए पहल करनी होगी। बिहार में अलग किस्म के नशे के गिरफ्त में आए युवाओं के द्वारा एक ही सुई का साथियों के बीच बार-बार इस्तेमाल करने के कारण होने वाले संक्रमण पर भी उन्होंने



विस्तार से बताया। साथ ही उन्होंने एचआईवी एड्स होने के बाद के लक्षण पर भी चर्चा की। एड्स जांच के लिए जरूरत और उसके रोकथाम में किन-किन संस्थाओं का योगदान सरकार के द्वारा दिया जा रहा है, उसपर भी उन्होंने चर्चा की।

उन्होंने कहा: "एड्स के विषय में समाज में कई भ्रांतियां हैं जिन्हें युवाओं को खत्म करना होगा। एड्स फैलने के मुख्य चार कारण हैं:

शारीरिक संबंध, स्तनपान, संक्रमित खून और सुई का दोबारा इस्तेमाल। इसके अलावा बाकी सब भ्रांतियां हैं। साथ रहने और साथ खाने से एड्स नहीं फैलता।"

उन्होंने बताया कि बिहार में 98% एड्स के मामले शारीरिक संबंधों के माध्यम से होते हैं। बिहार के कई जिलों में एचआईवी के इलाज की पूरी सुविधा उपलब्ध है। एचआईवी के मरीजों के साथ अच्छा व्यवहार करना चाहिए

और उनके साथ दुर्व्यवहार करने वालों के खिलाफ एचआईवी/एड्स अधिनियम, 2017 के तहत कार्रवाई की जाती है।



यूनिसेफ से आए श्री दीपक कुमार ने जानकारी दी कि लगभग 85,000 एचआईवी के मरीज अभी दवाई लेकर अपना जीवन यापन कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि एचआईवी संक्रमण अक्सर प्रवासियों के माध्यम से फैलता है। उन्होंने यह भी कहा कि हमें मुख्य रूप से आने वाली पीढ़ी को शिशुओं में एचआईवी का संक्रमण न फैले। हर साल लगभग 1,000 बच्चे एचआईवी के साथ जन्म लेते हैं। पहले एचआईवी का संक्रमण 35 वर्ष से अधिक उम्र के व्यक्तियों में पाया जाता था लेकिन अब 25 वर्ष से कम उम्र के युवाओं में भी इसका संक्रमण पाया जा रहा है। देश के 185 सेंटर्स पर एचआईवी की जांच की जाती है और इनका रिकॉर्ड रखा जाता है।

व्याख्यान के अंतिम सत्र में अतिथि वक्ता से विद्यार्थियों ने विषय से संबंधित प्रश्न भी पूछे जिनका उन्हें सार्थक जवाब मिला। प्रश्न करने वाले प्रमुख विद्यार्थियों में ऋतिक, श्रद्धा, अंजली, अंकित, निशांत, प्रभाष, आयुष, आदित्य, नीतेश रहें। कार्यक्रम में मंच संचालन विभागीय छात्र ऋतिक रौशन ने किया। व्याख्यान के अंत में धन्यवाद ज्ञापन कार्यक्रम के सह संयोजक डॉ. स्नेहाशीष वर्धन ने दिया।

इस दौरान विभाग के शिक्षक डॉ. संदीप कुमार, डॉ. संदीप कुमार दुबे सहित विश्वविद्यालय के विभिन्न सत्रों के विद्यार्थियों के अलावे विभागीय कर्मचारी भी मौजूद रहें।